प्रमुख अभियंता, जल संसाधन व्दारा बानसुजारा परियोजना जिला–टीकमगढ़ का निरीक्षण दिनांक 23.02.2017 का निरीक्षण प्रतिवेदन

बानसुजारा परियोजना का निरीक्षण दिनांक 23.02.2017 को श्री राजीव सुकलीकर प्रमुख अभियंता एवं श्री भरत गोसावी, मुख्य अभियंता, बोधी, जल संसाधन विभाग के व्दारा किया गया। निरीक्षण के समय निम्नांकित अधिकारी उपस्थित थेः–

1. श्री अशोक कुमार मिश्रा – मुख्य अभियंता, राजघाट नहर परियोजना, दतिया।
2. श्री अरविन्द उपमन्यु – अधीक्षण यंत्री, राजघाट नहर मण्डल, झांसी।
3. श्री पुष्पराज गिरि – कार्यपालन यंत्री, बानसुजारा परियोजना नहर, जल संसाधन संभाग बल्देवगढ़, जिला–टीकमगढ़।
4. श्री बद्री प्रसाद दुबे – कार्यपालन यंत्री, बानसुजारा बांध जल संसाधन संभाग टीकमगढ़।
5. श्री डी. पी. अनुरागी – कार्यपालन यंत्री, गुण नियंत्रण संभाग, दतिया
6. श्री रघुवीर सिंह – अनुविभागीय अधिकारी, बानसुजारा परियोजना जल संसाधन उपसंभाग क्रमांक 3, बल्देवगढ़।
7. श्री अर्जुन नरवरिया – अनुविभागीय अधिकारी, सर्वेक्षण एवं अनुसंधान उप संभाग टीकमगढ़।
8. श्री मुकेश कुमार मीना – अनुविभागीय अधिकारी, सर्वेक्षण एवं अनुसंधान उप संभाग क्र. 2 बल्देवगढ़।
9. श्री वाय.एस. गौर – अनुविभागीय अधिकारी, गुण नियंत्रण उपसंभाग बल्देवगढ़।
10. श्री अशोक भारद्वाज – ठेकेदार ए.एन.एस कन्स्ट्रक्शन कंपनी, नई दिल्ली।
11. श्री श्रीनिवास कोला – ठेकेदार के.वी.आर. कन्स्ट्रक्शन कंपनी, हैदराबाद।
12. श्री भास्कर गडे – क्लस्टर हेड, एल एण्ड टी कंपनी चैन्नई
13. श्री अशोक कुमार पाण्डे – प्रोजेक्ट मैनेजर, एल.एण्ड टी कंपनी, चैन्नई।

स्थल पर मैदानी अधिकारियों व्दारा अवगत कराया गया कि बानसुजारा वृहद परियोजना का निर्माण धसान नदी पर छतरपुर जिले के ग्राम बान एवं टीकमगढ़ जिले के ग्राम सुजारा के मध्य किया जा रहा है। बांध की कुल लम्बाई 2500 मीटर होगी, जिसमे 324 मीटर कंक्रीट का बांध तथा पहाड़ो को जोड़ने के लिए 1125 मीटर मिटटी का बांध निर्माणाधीन है। नदी तल से बांध की अधिकतम ऊंचाई 33.50 मीटर है। बांध में 13.50 X 13.25 मीटर के 12 जल द्वार लगाया जाना प्रावधानित है। बांध का जल संग्रहण क्षेत्र 3332 वर्ग किलोमीटर है। बांध की जीवित जल भराव क्षमता 272.80 मिलियन घन मीटर है। बानसुजारा परियोजना के अंतर्गत अनुबंध क्रमांक 1/2013–14 दिनांक 4/10/2013 के अनुसार बांध का सम्पूर्ण कार्य आइटम रेट पद्धति से मेसर्स के. व्ही. आर.–पी. ई. एस. प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद द्वारा कराया जा रहा है। बांध के निविदा की लागत रू. 107.66 करोड़ है जिसमे रू. 86.00 करोड़ का कार्य किया जा चुका है ।

वर्तमान में बांध के स्पिलवे के अंतर्गत ओ. एफ. भाग में अधिकतम 307.60 मीटर तक कंक्रीट का कार्य किया जा चुका है। ट्रेनिंग वाल में कंक्रीट का कार्य अधिकतम 308.60 मीटर एवं एन. ओ. एफ. में कंक्रीट कार्य अधिकतम 312.00 मीटर लेवल तक सम्पादित किया जा चुका है। सैडल क्रमांक 1, 2, एवं 3 में कट ऑफ ट्रेंच के भराव का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। सैडल क्रमांक 3 में कैनाल स्लूस के खुदाई कार्य एवं बेस कंक्रीट का कार्य किया जा चुका है। बांध के गेट निर्माण हेतु first एवं second stage embedded पार्ट्स का fabrication किया जा चुका है एवं first stage parts के insertion कार्य किया जा चुका है। इस प्रकार कुल 137000.00 घनमीटर कंक्रीट के कार्य के साथ 70 प्रतिशत कार्य की भौतिक प्रगति प्राप्त कर ली गयी है।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि दांये नॉन ओवर फ्लो ब्लॉक पर ग्रीन कट ठीक प्रकार से नही किया गया था। कार्यपालन यंत्री द्वारा अवगत कराया गया कि chiseling करने के पश्चात ही नए कंक्रीट का कार्य कराया जाता है। ठेकेदार को कंक्रीट प्लेसिंग के पश्चात एयर वाटर जेट से स्लरी वाश आउट करने हेतु एवं स्पेसिफिकेशन के अनुसार ग्रीन कटिंग कर सरफेस तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही टॉप सरफेस को स्पेसिफिकेशन अनुसार ग्रेडिएंट में बनाया जाये, ताकि स्लरी ब्लॉक में किसी स्थान पर एकत्रित न हो सके।

दांयी की–वाल हेतु खुदाई की गई थी। की वाल की लंबाई बढ़ाने एवं पहाड़ी में खुदाई करते समय बांध की सुरक्षा हेतु आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देश दिये गये।

बांध निर्माण कार्य के अन्तर्गत एन. ओ. एफ. भाग के डाउन स्ट्रीम एक्सपोज्ड सरफेस तथा ट्रेनिंग वाल्स की सरफेस पर 10 mm dia का both direction में 250 mm स्पेसिंग पर temperature reinforcement दिए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

बांध के सैडल क्र. 4 का निरीक्षण किया गया। सैडल क्र. 4 में मिटटी बांध बनाने के पूर्व निर्णय को यथावत रखा गया जिस हेतु स्पेसिफिकेशन अनुसार शीघ्र डिवाटरिंग एवं सफाई कार्य पूर्ण कर मिटटी के बांध का निर्माण कार्य प्रारंभ करने हेतु निर्देशित किया गया ताकि वर्षा काल के पूर्व सैडल क्र. 4 का कार्य पूर्ण किया जा सके। इस सैडल के दोनों बैक मापदण्डानुसार स्लोप व बेचिंग में कराते हुए मिट्टी के बांध का कार्य सुनिश्चित करें व दोनों बैक्स पर रेपराऊड प्रावधानित किया जावे।

जून 2017 तक मिट्टी व कांक्रीट के बॉध का निर्माण सभी गेट्स को स्थापित करते हुए पूर्ण करने के लक्ष्य को रखते हुए कार्य पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है, ताकि वर्षा ऋतु में बॉध को एफ.आर.एल. तक भरा जा सके, इस हेतु निम्नानुसार विशेष रूप से ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है:–

(i) निरीक्षण दिनांक को बांध पर कांक्रीटिंग अथवा मिट्टी का कोई कार्य प्रगति पर नहीं था, इस बाबत अप्रसन्नता व्यक्त की गई एवं निर्देशित किया गया कि मिट्टी के बॉध व पक्के बॉध में शेष मात्राओं का आंकलन कर तद्नुसार समयबद्ध निर्माण कार्यक्रम बनाया जावे।

(ii) स्थल निरीक्षण के अनुसार 12 में से 11 गेट्स का फेब्रीकेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है परन्तु हाइड्रोलिक हाउस व पॉवरपैक की समय पर उपलब्धता के प्रति ठेकेदार आश्वस्त नहीं है। अतः ठेकेदार को हाइड्रोलिक Hoist के कार्य में विशेष रूचि लेने एवं डेक ब्रिज हेतु पर्याप्त आवश्यक फॉर्म वर्क की व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया गया ताकि वर्षा काल के पूर्व निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण किया जा सके।

(iii) मुख्य अभियंता बोधी व्दारा अवगत कराया कि डेक ब्रिज की ड्रॉइंग डिजाईन साफ्टवेयर से बनाकर बोधी में प्रस्तुत की गई है, इस बावत् Consultant को बोधी में उपस्थित होकर कीटिकल कंडीशन की मैन्युअल गणनाएँ प्रस्तुत करने बावत् अधीक्षण यंत्री को निर्देशित किया गया है।

2. बानसुजारा परियोजना द्वारा 60000 हे. क्षेत्र में मुख्य नहर एवं उपशाखाओं के निर्माण हेतु मैसर्स ए.एन.एस. कंस्ट्रक्शन कंपनी, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 17.12.2014 को अनुबंध सम्पादित किया गया था, जिसकी अनुबंधित लागत रूपये 386.53 करोड़ थी। शासन के निर्देशों के परिपालन में नहर के कार्यों को सीमित किया गया जिसमें बान सुजारा परियेाजना के अंतर्गत बान सुजारा वायी मुख्य नहर (ओपन केनाल) सेडल क्रमांक–3से निकलना प्रस्तावित है जिसकी Bed width 5.20 मी0 एवं F.S.D. 3.1मी0 है नहर की जल प्रवाह क्षमता 35.0 क्यूमेक्स है। वर्तमान में नहर की प्रारंभिक रीच में खुदाई का कार्य प्रगति पर है नहर की प्रारंभिक रीच मे नहर की औसत खुदाई 14.50 मी0 हैं। नहर कार्य लगभग 80% पूर्ण है। मुख्य अभियंता, राजघॉट नहर परियोजना, दतिया व्दारा सूचित किया कि कि.मी. 0 से 30. 90 कि0मी0 की मुख्य नहर लम्बाई में 2900 हैक्टर क्षेत्र में सिंचाई की जा सकती है एवं ओपन केनाल की आर. डी. 0.0 मी0 से 11400 मी0 के मध्य का एरिया एल. एण्ड टी. कंपनी द्वारा प्रस्तुत कमाण्ड क्षेत्र में सम्मलित नही किया गया है। अतः कार्यपालन यंत्री को उक्त 2900 हैक्टर क्षेत्र में सिंचाई के लिये आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

बानसुजारा नहर की आर.डी. 2838 मी0 पर व्ही.आर.बी. के निर्माण कार्य के निरीक्षण में एप्रोच स्लैब की चौड़ाई पैरापेट वाल की चौड़ाई जोड़कर बनायी जावे। आर.डी. 2838 मी0 पर स्केप का निर्माण कार्य प्रगति था।

3. सूक्ष्म सिंचाई पद्धति से 75000 हे, मे सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना :–

बानसुजारा परियेाजना के अंतर्गत सूक्ष्म सिंचाई पद्धति द्वारा 75000 हे. क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य टर्नकी आधार पर मैसर्स एल.एण्ड टी. कंपनी चैन्नई को आवंटित हैं, जिसकी अनुबंधित लागत रू. 896.499 करोड़ है। कंपनी द्वारा दिनांक 20.07.2016 को अनुबंध सम्पादित किया है एवं कार्य पूर्ण करने की अवधि 36 माह है।

उपरोक्त अनुबंध के अतर्गत मुख्य नहर की आर.डी. 30900 मी0 पर 0.25 एमसीएम. क्षमता का बैलेसिंग रिजरवायर प्रस्तावित है। वैलेसिंग रिजरवायर के प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया गया,बेसिन का Strata sandy soil with mixed gravel है। मुख्य अभियंता, बोधी द्वारा उपरोक्त कार्य की डिजायन एवं ड्राइंग में कुछ सुधार करने हेतु मैदानी अधिकारियों को निर्देशित किया गया ।

प्रमुख सचिव, जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक दिनांक 09.02.2017 के निर्देशो के परिपालन में कंपनी को बी–3 लाइन का कमाण्ड का सम्पूर्ण नेटवर्क माह नवम्बर 2017 तक विकसित कर रबी सिंचाई प्रदाय करने का लक्ष्य दिया गया था। अतः इस हेतु Work program तैयार कर तदनुसार कार्य की प्रगति प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया गया। सूक्ष्म सिंचाई पद्धति के अन्तर्गत चार स्थानों पर पाइप लाइन रेलवे लाइन को क्रास करेगी। कपनी के प्रतिनिधि श्री भास्कर गडे को निर्देशित किया गया कि चार नंबर पाइप लाइन रेलवे क्रासिंग को कम करने के विकल्प पर विचार करें एवं बी–3 पाइप लाइन के रेल्वे क्रांसिग का कार्य सिंतम्बर–2017 तक हर हाल में पूर्ण करावें अन्यथा रबी सिंचाई नहीं की जा सकेगी।

एल. एण्ड टी. कंपनी के साइट कार्यालय का निरीक्षण किया गया तथा कम्पनी द्वारा बताया गया कि H.R. coil की सप्लाई हेतु 3.15 मिमी0 से 5.0 मिमी0 मोटाई की 6000 टन का आदेश प्रदाय कर दिया गया है एवं 2500 टन की सप्लाई आ चुकी है। यह भी बताया गया कि 2000 मिमी0 से कम डायमीटर के पाइप निर्माण हेतु माह मार्च 2017 तक फैक्ट्री स्थापित कर माह अप्रैल से पाइप निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया जावेगा।

कम्पनी के प्रतिनिधि द्वारा सूचित किया गया कि निरीक्षण दिनांक तक 1250 टन (कुल लम्बाई 353524.0 मी0) H.D.P.E. कार्य स्थल पर आ चुकी है। कंपनी के प्रतिनिधि को फसल कटने के तुरन्त बाद पाइप लाइन का कार्य तीव्र गति से प्रारम्भ कर माह सितम्बर– 2017 तक नेटवर्क को पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

मुख्य अभियंता बोधी व्दारा अवगत कराया गया कि बी1, बी2, बी3,एवं बी4 के नेटवर्कस की 20 हेक्टर चक तक की प्रारंभिक डिजाईन, डॉइंग बोधी व्दारा अनुशंसित की गई है एवं तदनुसार विस्तृत रूपांकन बोधी में प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है । विस्तृत रूपांकन बोधी कार्यालय में शीघ्र प्रस्तुत करने बावत् निर्देशित किया गया ।

निर्माण स्थल पर क्वालिटी कन्ट्रोल की प्रयोगशाला स्थापित है। कार्यपालन यंत्री गुण नियंत्रण श्री डी.पी. अनुरागी को निर्देशित किया गया कि प्रयोगशाला में उपलब्ध समस्त उपकरणों को टेस्ट करे एवं उनका केलीब्रेशन करावे एवं वांछित अभिलेखों का संधारण करें।

कंपनी के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि H.D.P.E. पाइप स्टोर के समीप अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था रखे। जिससे H.D.P.E. पाइप की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकें।

28/2/17
(राजीव कुमार सुकलीकर)
प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग

पृ. क्र. 3459।।19 /कार्य / बानसुजारा बांध / 2017 भोपाल, दिनांक –28/2/17

प्रतिलिपि:–

1. प्रमुख सचिव, मध्य प्रदेश शासन, जल संसाधन विभाग, मंत्रालय, भोपाल की ओर सूचनार्थ ।
2. मुख्य अभियंता, राजघाट नहर परियोजना, दतिया की ओर सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य अभियंता, बोधी, जल संसाधन विभाग, भोपाल की ओर सूचनार्थ प्रेषित।
4. अधीक्षण यंत्री, राजघाट नहर मंडल, झाँसी की ओर सूचनार्थ प्रेषित।
5. कार्यपालन यंत्री, बानसुजारा बांध जल संसाधन संभाग टीकमगढ़ की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
6. कार्यपालन यंत्री, बानसुजारा परियोजना नहर परियोजना जल संसाधन संभाग बल्देवगढ़ की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
7. वैब मैनेजर, कार्यालय परियोजना संचालक, विश्व बैंक परियोजना, भोपाल की सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।

28/2/17
(राजीव कुमार सुकलीकर)
प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग